आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 21 लखनऊ, सोमवार 07 सितम्बर से 13 सितम्बर, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

नई शिक्षा नीति पर राज्यपालों को संबोधित करेंगे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ७ सितंबर आज सुबह १०.३० बजे वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर राज्यपालों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। 'उच्च शिक्षा के बदलाव में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–२०२० की भूमिका' विषय पर इस सम्मेलन का आयोजन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–२०२० इक्कीसवीं सदी की पहली शिक्षा नीति है, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति १९८६ के ३४ वर्षों के बाद घोषित किया गया। एनईपी–२०२० को स्कूल और उच्च शिक्षा स्तर दोनों में बड़े सुधारों के लिए लाया गया है। केंद्र सरकार ने एक आधिकारिक वक्तव्य में कहा, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत को न्यायसम्मत और जागरूक समाज बनाने का प्रयास करती है। यह ऐसी भारत–केंद्रित शिक्षा प्रणाली

की परिकल्पना करती है जो भारत को वैश्विक महाशक्ति बनाने में सीधे योगदान करती है। केंद्र सरकार के मुताबिक, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश की शिक्षा प्रणाली में आदर्श बदलाव लाएगी और प्रधानमंत्री द्वारा सोचे गए एक नए आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में सक्षम और सुदृढ़ि शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करेगी। देशभर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के विभिन्न पहलुओं पर कई वेबिनार, वर्चुअल कॉन्फ्रेंस और कॉन्क्लेव आयोजित किए जा रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने पहले 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–२०२० के तहत उच्च शिक्षा में परिवर्तनकारी सुधारों पर सम्मेलन' आयोजित किया था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। ७ सितंबर को राज्यपालों के सम्मेलन में सभी राज्यों के शिक्षा मंत्री, राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल लेंगे।

योगी जैविक खेती 'हब' के रूप में बुंदेलखंड को विकसित करेंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुंदेलखंड को जैविक खेती के रोल मॉडल की तरह विकसित करना चाहते हैं। उन्होंने अधिकारियों से जैविक खेती और जीरो बजट ंषि को आगे बढ़ाने की संभावनाएं तलाशने के लिए कहा है, जो इस क्षेत्र को नई पहचान देगा। उन्होंने कहा कि फिर बुंदेलखंड की पहचान सूखाग्रस्त पिछड़े इलाके की तरह नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए ५० करोड़ रुपये की परियोजनाओं और चित्रकूट संभाग के अन्य विकास कार्यो की समीक्षा की। इस मौके पर उन्होंने कहा, वे दिन चले गए, जब चित्रकूट और बांदा जिले को डकैतों से आतंकित जगह माना जाता था। यह समय बुंदेलखंड को विकास के हब के रूप में बदलने का है। सरकार के प्रवक्ता के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चित्रकूट डिफेंस करिडोर के छह नोड्स में से एक है और यह निकट भविष्य में बुंदेलखंड एक्सप्रेस के निर्माण शुरू होने की वजह से विकास का 'गेटवे' बन जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से क्षेत्र में विकास कार्य को तेजी से करवाने और परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के आदेश दिए।

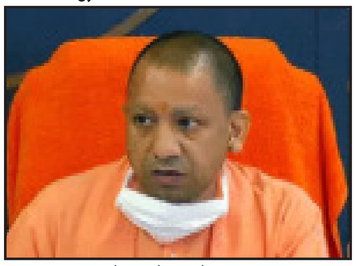

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि सभी कार्यो को समय पर पूरा हो जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों और प्रतिनिधियों से सरकार को नई परियोजना के लिए प्रस्ताव दाखिल करने के लिए कहा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुंदेलखंड में नदियों और तालाबों का एक नेटवर्क है और इसे संरक्षित और पुनर्जीवित करने की जरूरत है।

राजनाथ ने चीन को दी दो टूक नसीहत

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लद्दाख में भारत और चीन के बीच चल रहे तनाव को लेकर चीन के रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंग को दो टूक अंदाज में नसीहत दी। उन्होंने कहा सीमा के पास चीन अपने सैनिक बढ़ा रहा है, जो उसके आक्रामक बरताव को दिखाता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि चीन

को भारत के साथ मिल कर काम करना चाहिए ताकि जल्दी से जल्दी वास्तविक नियंत्रण रेखा, एलएसी पर गतिरोध खत्म किया जा सके। शंघाई सहयोग संगठन, एससीओ की बैठक में हिस्सा लेने के लिए रूस के तीन दिन के दौरे पर गए राजनाथ सिंह की शुक्रवार की रात को चीन के विदेश मंत्री के साथ करीब ढाई घंटे की बातचीत हुई थी। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में १५ जून को हुई हिंसक झड़प के बाद पहली बार दोनों देशों के रक्षा मंत्री आमने–सामने थे। इससे पहले एससीओ की बैठक में अपने संबोधन में भी राजनाथ सिंह ने कहा था कि आक्रामक रवैया दिखाने से सीमा पर विवाद नहीं खत्म होने वाला है। करीब ढाई घंटे तक चली बैठक में मुख्य रूप से सीमा विवाद को लेकर ही चर्चा हुई। राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री से कहा कि गलवान घाटी सहित एलएसी पर बीते कुछ महीनों में तनाव रहा है। उन्होंने कहा– सीमा पर चीन का अपने सैनिकों को बढ़ाना आक्रामक बरताव को दिखाता है। यह द्वोपक्षीय समझौते का उल्लंघन है। राजनाथ सिंह ने आगे कहा– भारतीय सेनाओं ने सीमा पर हमेशा संयमित व्यवहार दिखाया है। लेकिन, यह भी सच है कि इसी दौरान हमने भारत की संप्रभुता और सीमाओं की रक्षा से कोई समझौता नहीं किया। दोनों पक्षों को अपने नेताओं की समझ–बूझ के निर्देशन में काम करना चाहिए, ताकि सीमा पर शांति कायम रह सके। साथ ही दोनों पक्षों को उन चीजों में नहीं उलझना चाहिए, जिससे विवाद बढ़े। रक्षा मंत्री ने चीनी रक्षा मंत्री से कहा कि चीन को जल्दी ही भारत के साथ मिल कर काम करना चाहिए, ताकि लद्दाख में समझौते और प्रोटोकल के आधार पर सभी विवादित जगहों मसलन पैंगोंग झील के इलाके से दोनों तरफ के सैनिकों की वापसी शुरू की जा सके। उन्होंने कहा– जो मौजूदा हालात हैं, उसे देखते हुए दोनों पक्षों को जिम्मेदारी दिखाना चाहिए। कोई भी ऐसा एक्शन न लें, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो।

मांसिक दबाव झेलने पर विवश शिक्षक

लखनऊ। बेसिक शिक्षा में मूल चूल परिवर्तन लाने हेतु आजकल बेसिक शिक्षा विभाग में आदेशों झड़ी लगी हुई है, हर दो मिनट पर नए आदेशों का पालन तम्काल पूरा करने को कहा जा रहा है। जबकि इन्हें पूरा करने के लिए विद्यालयों में संसाधन ही नहीं हैं जिसके चलते शिक्षक मांसिक दबाव झेलने पर विवश है। उनकी समस्या सुनने वाला कोई नहीं है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में उत्तर प्रदेश ने लगाइ लंबी छलांग

अद्भुत समाचार नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना वायरस संक्रमण के बीच उत्तर प्रदेश के व्यापार के तरीके में भी काफी सुधार हुआ है और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में उत्तर प्रदेश ने लंबी छलांग लगाई है। राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान मिला है। अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस.पी. गोयल व अपर मुख्य सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आलोक कुमार ने यहां संयुक्त रूप से बताया की प्रदेश की रैंकिंग १२वें स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। प्रदेश ने पिछले साढ़े तीन साल में सिंगल विंडो सिस्टम से आवेदन, अनापत्ति, क्लियरेंस व स्वीकृतियां ऑनलाइन देने की कार्यवाही की है। कई श्रम सुधार किए हैं। इस उपलब्धि से निवेशकों में बेहतर संदेश जाएगा और प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित होंगे। केंद्र सरकार की ओर से जारी रैंकिंग में उत्तर प्रदेश ने लंबी छलांग लगाकर दूसरा स्थान प्राप्त कर लिया है। पहले स्थान पर आंध्र प्रदेश है। उत्तर प्रदेश ने तेलंगाना को पीछे छोड़ते हुए दूसरे नंबर पर जगह बना ली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट के माध्यम से लिखा कि प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' की संकल्पना को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार सतत प्रयासरत है। उत्तर प्रदेश द्वारा 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग' में गत वर्ष १२वें स्थान के सापेक्ष, इस वर्ष द्वितीय स्थान प्राप्त करना, इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। सभी प्रदेशवासियों को बधाई। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव आर.के. तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल निर्देशन में १२वें स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचने में कामयाबी मिली है। अब हम सभी को मिलकर प्रदेश को निवेशकों का सबसे पसंदीदा नंबर वन निवेश स्थल बनाना है। ज्ञात हो कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को वर्ष २०१६ के लिए यह रैंकिंग जारी की, जिसमें उत्तर प्रदेश को एक बड़ी सफलता मिली है। राज्य छलांग लगाने के कारण तेलंगाना तीसरे स्थान पर खिसक गया है।

सम्पादकीय

भारत दुनिया का दूसरा सबसे अधिक संक्रमित देश बना

भारत में कोरोना वायरस के संक्रमितों की संख्या ४१ लाख का आंकड़ा पार कर गई है और इसके साथ ही भारत दुनिया का दूसरा सबसे अधिक संक्रमित देश बन गया है। भारत शनिवार को रात नौ बजे ब्राजील को पीछे छोड़ कर दूसरे स्थान पर पहुंचा। शनिवार को रात नौ बजे तक ब्राजील में संक्रमितों की संख्या ४० लाख ६१ हजार थी, जबकि भारत में संक्रमितों की संख्या ४१ लाख दो हजार पहुंच गई थी। शनिवार देर रात तक ब्राजील आंकड़ों में आगे निकल सकता है पर रविवार को भारत स्थायी तौर पर दूसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। इस बीच भारत कोरोना वायरस के संक्रमण से मरने वालों की संख्या ७० हजार का आंकड़ा पार कर गई है। शनिवार को रोजाना की औसत के हिसाब से एक हजार के करीब लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों का आंकड़ा ७० हजार पांच सौ से ज्यादा हो गया। शनिवार को देर शाम तक भारत में ८० हजार ८७० नए केसेज आए थे, जिसके बाद संक्रमितों की कुल संख्या ४१ लाख दो हजार पहुंच गई। देर शाम तक असम, झारखंड, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों के आंकड़े अपडेट नहीं हुए थे। देश में सबसे ज्यादा संक्रमित राज्य महाराष्ट्र में शनिवार को एक दिन में सबसे ज्यादा केसेज आने का नया रिकार्ड बना। शनिवार को पहली बार २० हजार से ज्यादा केसेज आए। राज्य में २०,४८६ नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या आठ लाख ८३ हजार ८६२ हो गई। राज्य में शनिवार को ३१२ लोगों की मौत हुई, जिसके बाद मरने वालों की कुल संख्या २६,२७६ पहुंच गई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दो महीने से ज्यादा समय के बाद पहली बार लगातार चौथे दिन तक एक दिन में ढाई हजार से ज्यादा संक्रमित मिले। शनिवार को संक्रमितों की संख्या में पिछले तीन दिन के मुकाबले ज्यादा इजाफा हुआ। राज्य में २,६७३ नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या एक लाख ८८ हजार १९५ हो गई। कर्नाटक में शनिवार को ६,७४० नए केसेज आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या तीन लाख ८९ हजार २३२ हो गई। आंध्र प्रदेश में शनिवार को १०,८२५ नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या चार लाख ८७ हजार ३३१ पहुंच गई। बिहार में शनिवार को १,७२७ नए संक्रमित मिले, जिसके बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़ कर एक लाख ४५ हजार ८६१ हो गई। देश में तीसरे सबसे ज्यादा संक्रमित राज्य तमिलनाडु में शनिवार को ५,८५६ नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या चार लाख ५७ हजार ६८६ हो गई। उत्तर प्रदेश में शनिवार को ६,५६० नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या दो लाख ५६ हजार ७६५ हो गई। पश्चिम बंगाल में ३,०४२ नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या एक लाख ७७ हजार ७०१ हो गई। ओड़िशा में शनिवार को ३,५४३ नए मामले आए और केरल में २,६५५ नए संक्रमित मिले। हरियाणा में २,२८६ नए मामले आए, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या बढ़ कर ७४ हजार २७२ हो गई। ये आंकड़े कोविड१९इंडिया डॉट ओआरजी के आंकड़ों पर आधारित हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक शनिवार की देर शाम तक कुल संक्रमितों की संख्या ४० लाख २३ हजार २०६ थी, जिसमें से ६९,५६१ लोगों की मौत हो चुकी है। मुंबई, दिल्ली और हरियाणा के बाद ओड़िशा में सरकार ने राजधानी भुवनेश्वर में कराए गए सीरो सर्वे की रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक राज्य के ५.१५ फीसदी लोगों में एंटीबडी पाई गई है। इसका मतलब है कि इतने लोग या तो संक्रमित हैं या संक्रमित होकर ठीक हो गए हैं और उन्हें संक्रमण का पता नहीं चला। इससे एक दिन पहले शुक्रवार को हरियाणा सरकार ने सीरो सर्वे की रिपोर्ट जारी की थी, जिसके मुताबिक राज्य में आठ फीसदी से ज्यादा लोगों में एंटीबडी मिली थी। दिल्ली के दूसरे सीरो सर्वे में २६ फीसदी लोगों में एंटीबडी मिली थी। बहरहाल, सर्वे में भुवनेश्वर के १,३२० लोगों के सैंपल की जांच हुई थी। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना टेस्टिंग को लेकर शनिवार को नई एडवाइजरी जारी की। इसके तहत बिना डक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के अन डिमांड कोरोना टेस्ट करवाया जा सकेगा। यानी कोई भी व्यक्ति अब अपनी मर्जी से टेस्ट करा सकता है। इसके साथ ही सरकार ने दावा किया है कि अब दिल्ली में लगातार ११ लाख से ज्यादा टेस्ट होने लगे। पिछले कई दिनों से ११ लाख से ज्यादा टेस्ट हुए हैं। राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोगों को भरोसा दिलाया है। उन्होंने कहा है कि देश की राजधानी में रहने वाले लोगों को डरने और परेशान होने की जरूरत नहीं है। राज्य में हालात काबू में है। उन्होंने कहा कि राज्य में फिर से संक्रमितों के मामले इसलिए ज्यादा बढ़ रहे हैं क्योंकि सरकार ने टेस्ट की क्षमता दोगुनी कर दी है। उधर नेताओं के संक्रमित होने का सिलसिला जारी है।

एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लिये योगी सरकार रखेगी सलाहकार

लखनऊ। अगले पांच वर्षों में एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को पूरा करने के लिये उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने सलाहकार की नियुक्ति का फैसला किया है। मंत्रिमंडल की कल देर रात सम्पन्न हुयी बैठक में सलाहकार की नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने देश को पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिये पांच साल का लक्ष्य निर्धारित किया था जिसके बाद योगी सरकार ने इस लक्ष्य को पूरा करने के लिये उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया था। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि परियोजना के लिये सलाहकार की नियुक्ति का जिम्मा मुख्य सचिव की

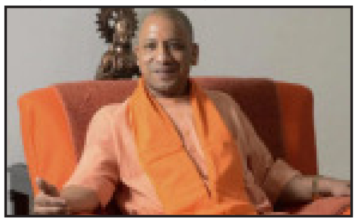

अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय कमेटी को दिया गया है। कमेटी रिक्वेस्ट आफ प्रपोजल (आरएफपी) तैयार करेगी और आरएफपी के आधार पर निविदायें आमंत्रित की जायेंगी। बाद में एक उप समिति का गठन किया जायेगा जो आरएफपी में इच्छुक कंपनियों से बातचीत करेगी। उप समिति की रिपोर्ट पर मुख्य कमेटी सलाहकार की नियुक्ति पर अंतिम फैसला लेगी। सूत्रों ने बताया कि चयनित सलाहकार के कार्य की अवधि पांच साल के लिये होगी लेकिन उसे ठेका लेने के लिये अपनी तकनीकी रिपोर्ट पांच महीने के भीतर प्रस्तुत करनी होगी। आरएफपी के अनुसार सभी सरकारी विभागों को चयनित सलाहकार का सहयोग करना होगा जिससे कि वह लक्ष्य की प्राप्ति के बारे में पारदर्शिता के साथ अपनी रिपोर्ट प्रेषित कर सके।

उपचुनाव में सत्ता और विपक्ष का होगा इम्तिहान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की खाली हुई विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा हो गयी है। इसे लेकर राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश की जिन आठ सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उसमें से छह भाजपा और दो सपा के पास हैं। हलांकि ४०३ सीटों की विधानसभा में उपचुनाव के नतीजे ज्यादा मायने नहीं रखते, फिर भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के दावों का इम्तिहान होना है। उत्तर प्रदेश में आठ सीटों में उपचुनाव होने हैं, उसमें से फिरोजाबाद की टुंडला सीट भाजपा के एस पी सिंह बघेल के सांसद बनने के बाद खाली हुई है। लेकिन न्यायालय में विवाद लंबित होने के कारण यहां अब तक उपचुनाव नहीं हुआ। रामपुर की स्वार सीट से सपा सांसद आजम खान के पुत्र अब्दुल्ला आजम की जन्मतिथि विवाद की वजह से उनकी सदस्यता रद्द होने के कारण वहां चुनाव होने हैं। वहीं

उन्नाव की बांगरमऊ से भाजपा के कुलदीप सिंह सेंगर जीते थे। उनकी सदस्यता उम्र कैद की सजा मिलने के कारण रद्द हुई। इसके अलावा जौनपुर के मल्हनी क्षेत्र से सपा के पारसनाथ यादव के निधन होने के कारण यह सीट खाली हुई। देवरिया सदर से भाजपा विधायक जन्मेजय सिंह और बुलंदशहर से भाजपा के वीरेंद्र सिरोही की सीट भी निधन के कारण खाली हुई है। वहीं कानपुर की घाटमपुर सीट भाजपा की कमल रानी वरुण और अमरोहा की नौगावां सादात भाजपा के चेतन चौहान के निधन से खाली हुई है। वरिष्ठ पत्रकार पीएन द्विवेदी का कहना है कि ४०३ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के परिणाम का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। लेकिन यह एक बड़ा संदेश होगा। जिस प्रकार से वर्तमान समय में कोरोना संकट और जतिवादी राजनीति का मुद्दा गरमाया है। उपचुनाव सत्तारूढ़ और विपक्ष के लिए एक परीक्षा है।

बीएड एंट्रेंस एग्जाम का परिणाम शनिवार को जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित हुए बीएड एंट्रेंस एग्जाम का परिणाम शनिवार को जारी कर दिया गया है। जारी परिणाम के मेरिट में पहले स्थान

पर सीतापुर के पकंज कुमार तो बिहार के सीतामढ़ी के रहने वाले अजय कुमार हैं। पकंज ने जहां २६६ अंक प्राप्त किए हैं। वहीं अजय ने २६५ अंक हासिल किए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आलोक राय ने बातचीत में बताया कि बीएड एंट्रेंस एग्जाम का परिणाम जारी कर दिया गया है, परिणाम की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। वहीं प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा विभाग की एडिशनल चीफ सेक्रेटरी मोनिका गर्ग ने बताया कि नया सेशन अक्टूबर नवंबर २०२० से शुरू किया जा सकता है। आपको बता दें यूपी बीएड की प्रवेश परीक्षा उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से ६ अगस्त को कराई गई थी। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय की प्रो. अमिता वाजपेयी को कोआर्डिनेटर नियुक्त किया गया था। कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने बताया कि सभी पास छात्रों को जल्द ही काउंसलिंग में शामिल होने का मौका मिलेगा। उन्होने बताया कि अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि वह काउंसलिंग का शेड्यूल तैयार करें ताकि अभ्यर्थियों को तिथिवार पूरा ब्योरा भेजा जा सके। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों को अलग-अलग महाविद्यालयों में सीटों का आवंटन उनके माध्यम से मूल आवेदन पत्र में भरे गए विषय वर्ग के अनुसार किया जाएगा। किसी भी दशा में, किसी भी स्तर पर, विषय-वर्ग परिवर्तन अनुमन्य नहीं होगा। कोरोना को लेकर विभिन्न आशंकाओं के बीच ६ अगस्त को प्रदेश भर में करीब ८३ फीसदी अभ्यर्थियों ने बीएड प्रवेश परीक्षा दी थी। प्रदेश के ७३ जिलों के कुल १०८६ केन्द्रों पर लगभग ३,५७,०६४ परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए थे। मोनिका गर्ग ने बताया कि पिछले साल परीक्षा १५ जिलों में ६० से १३० केंद्रों पर आयोजित की गई थी। इस बार उम्मीदवारों की संख्या को देखते हुए जिलों की संख्या बढ़ाकर ७३ की गई थी।

सोलर सिटी बनेगी अयोध्या : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से अयोध्या को 'सोलर सिटी' के रूप में विकसित करने की संभावनाएं तलाशने को कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, यह अयोध्या की पहचान को और निखारेगा। योगी आदित्यनाथ ने कल रात को वीडियो कन्फ्रेंसिंग के जरिए शहर में विकास की गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता के मानदंडों का पालन करते हुए सभी विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाना चाहिए। आदित्यनाथ ने पर्यटन विभाग से कहा कि वह अयोध्या में अच्छे, कुशल और माहिर गाइड की उपलब्धता के लिए एक कार्ययोजना तैयार करें, क्योंकि पवित्र शहर जल्द ही धार्मिक पर्यटन का केंद्र बनने वाला है। यह रोजगार सृजन के लिए भी बहुत उपयोगी होगा। उन्होंने कहा, यह पहले ही दुनिया भर के लोगों को आकर्षित कर रहा है। ब्रांड अयोध्या को विश्व स्तर पर

प्रचारित किया जाना चाहिए और पेशेवर लोगों को आगे की ब्रांडिंग के लिए तैयार किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अयोध्या के लिए विकास की योजना इस तरह बनाई जानी चाहिए, जिससे की इसकी ऐतिहासिक और धार्मिक विरासत दोनों ही संरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि अयोध्या के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व वाले स्थानों को पुनरू स्थापित किया जाना है। उन्होंने आश्वासन दिया कि अयोध्या के विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने साथ ही परियोजनाओं पर नजर रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से कहा कि अयोध्या में हवाई अड्डे के निर्माण में बाधा बन रही सभी समस्याओं को दूर करें। हवाई अड्डे के लिए १६० एकड़ भूमि पहले ही अधिग्रहित की जा चुकी है, वहीं शेष २५० एकड़ जमीन जल्द ही अधिग्रहित कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में आने वाले सालों में आंगतुकों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए दो बस स्टेशन होने चाहिए।

भाजपा सरकार में दलित, मुस्लिम, ब्राम्हणों का हो रहा उत्पीड़न : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सपा सरकार में जिस तरह ब्राह्मणों व दलितों का चुन–चुन कर उत्पीड़न किया गया था, अब वैसे ही भाजपा सरकार में इनके साथ–साथ मुसलमानों का भी काफी उत्पीड़न किया जा रहा है। मायावती ने ट्विटर के माध्यम से लिखा, सपा सरकार में जैसे ब्राह्मणों व दलितों का चुन–चुन कर उत्पीड़न किया गया था तो अब वैसे ही वर्तमान भाजपा सरकार में भी इनके साथ–साथ मुसलमानों का भी काफी उत्पीड़न किया जा रहा है। इनको जबरन् गलत मामलों में फंसाया जा रहा है, जो अति दुरूखद है। उन्होंने आगे लिखा, जिस प्रकार से सपा सरकार में दलितों के मसीहा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर व इनके महान् सन्तों व गुरुओं की मूर्ति तोड़ी गई तथा उनके नाम पर

रखे गये जिलों व संस्थानों आदि के नाम भी बदल दिये गए, ठीक उसी प्रकार से अब वर्तमान भाजपा सरकार भी चल रही है। अब तो उनके मसीहा बाबा साहेब ड. भीमराव अम्बेडकर की भी मूर्ति तोड़ी जा रही है, जिसके पहले वाराणसी की व अब जौनपुर की घटना अति–निन्दनीय। सरकार इस मामले में उचित कदम उठाये। बसपा की यह मांग है।

अयोध्या को सजाने और संवारने में जुटी योगी सरकार

लखनऊ। अयोध्या अपने खोए हुए वैभव को प्राप्त करने के लिए सज–संवर रही है। करीब पांच शताब्दियों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण कार्य प्रारंभ होने के बाद भविष्य की जरूरतों के लिहाज से अयोध्या तैयार हो रही है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अयोध्या के कायाकल्प पर २००० करोड़ से अधिक की राशि खर्च कर रही है। जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण और वहां बनने वाली दुनियां की सबसे ऊंची भगवान श्रीराम की प्रतिमा बनने के बाद भविष्य में वहां पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। सरकार के अनुमान के अनुसार, २०२० से २०३१ के दौरान इस संख्या में तीन गुना यानि २६२ करोड़ से ६६८ करोड़ से अधिक की वृद्घि होगी। अयोध्या में एक अधिकारी के मुताबिक, आने वालों को बेहतर सुविधाएं मिलें, उनके दिलो–दिमाग पर अयोध्या की अच्छी और अमिट छवि बने, इसकी वह औरों से चर्चा करें ताकि वह भी अयोध्या आएं, इस सबके लिए अयोध्या को तैयार किया जा रहा है। अगर सभी विभागों को जोड़ दिया जाय तो दो हजार करोड़ रुपये से अयोध्या के कायाकल्प की तैयारी है। मौजूदा समय में पर्यटन विभाग की ओर से २५८/ १२ करोड़ रुपये की लागत से समेकित पर्यटन के लिए विकास के कई काम जारी हैं। कुछ पूरे भी हो चुके हैं। इसके अलावा सभी प्रमुख प्रवेश मार्गों पर थीम बेस्ड गेट के निर्माण, परिक्रमा पथों के विकास, कुंडों का जीर्णोद्घार, टूरिस्ट फैसिलिटेशन के निर्माण, पार्किंग, यात्री सुविधाओं और फूडकोर्ट के निर्माण आदि के लिए केंद्र सरकार को २०० करोड़ का प्रस्ताव भी विभाग की ओर से शीघ्र ही केंद्र को भेजा जाना है। इसके अलावा एक नयी अयोध्या का निर्माण भी होना है। ऐसी अयोध्या जो वैदिक और स्मार्ट सिटी का समन्वय हो।

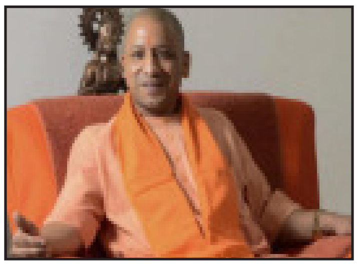

इसके लिए उप्र आवास–विकास परिषद ने ६३६ एकड़ भूमि भी चिन्हित की है। फिलहाल अयोध्या में राम की पैड़ी के सुंदरीकरण, यहां के फ साड (मेन गेट) इंप्रूवमेंट के सिविल कार्य, बहुउद्देशीय हाल, गुप्तार घाट और लक्ष्मण किला घाट और रामकथा का विस्तारीकरण, राजा दशरथ की समाधि के जीर्णोद्घार का काम पूरा हो चुका है। पंच कोसी पर परिक्रमा करने वालों के विश्राम के लिए जगह–जगह छाजन बनाने, मल्टी लेवेल कार पार्किंग, बस स्टैंड, क्वीन–हो मेमोरियल का सुंदरीकरण और यात्री निवास के उच्चीकरण का काम जारी है। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग, लोक निर्माण, नगर विकास एवं शहरी नियोजन, सिंचाई एवं जल शक्ति, ऊर्जा एवं वैकल्पिक ऊ र्जा विभाग की ओर से भी अयोध्या के कायाकल्प के लिए काम किया जा रहा है। इन सबके कामों को जोड़ दें तो अयोध्या के विकास पर आने वाले समय में केंद्र और प्रदेश सरकार २००० करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने जा रही है। किसी शहर की संभावनाओं का अंदाजा बाजार को सबसे पहले लगता है। अयोध्या में पर्यटक आएंगे तो उनके ठहरने की भी व्यवस्था उनके बजट में होनी चाहिए। इन्हीं संभावनाओं के मद्देनजर होटल इंडस्ट्री के लिए अयोध्या निवेश का पसंदीदा स्थल बन गया है। २०१८ में नयी पर्यटन नीति आने के बाद वहां के लिए २० प्रस्ताव सरकार को मिल चुके हैं। इसमें एक होटल और एक रिसर्ट के अलावा १२ बजट, ३ हेरीटेज और बाकी सामान्य होटल हैं। नयी अयोध्या के निर्माण के साथ इंडस्ट्री के बड़े प्लेयर भी अपने लक्जरी ब्रांड के साथ अयोध्या आएंगे। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने कहा, वर्तमान राज्य सरकार अयोध्या में मूलभूत पर्यटन सुविधाओं सहित समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। राज्य सरकार के प्रयासों में केन्द्र सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या के विकास में और गति आए, इसके लिए हर स्तर पर त्वरित निर्णय लेकर सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय–सीमा में पूरा करना आवश्यक है।

रेलवे ने किया 'फिट इंडिया फ्रीडम रन' का आयोजन

लखनऊ। राजधानी में उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल की ओर से फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन किया गया। मण्डल रेल प्रबंधक

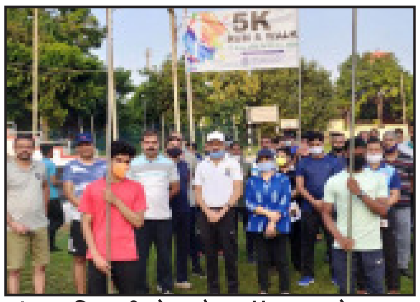

संजय त्रिपाठी ने फ्लैग ऑफ करके फ्रीडम रन का प्रारंभ किया। फ्रीडम रन रेलवे स्टेडियम से शुरू होकर चारबाग स्टेशन होते हुए फिर से रेलवे स्टेडियम पर पहुंच कर समाप्त हुई। इस आयोजन का उद्देश्य रेलकर्मियों और उनके परिजनों को स्वस्थ्य रहने के लिए नियमित सैर, दौड़ और व्यायाम करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबंधक संजय त्रिपाठी ने कहा कि उत्तम स्वास्थ्य ही सफलता की कुंजी है, इसलिए सभी को अपनी दैनिक दिनचर्या में सैर, दौड़, प्राणायाम सहित अन्य व्यायामों को शामिल करना चाहिए। साथ ही उन्होंने फिट इंडिया फ्रीडम रन जैसे दूसरे आयोजनों पर बल देते हुए कहा कि रेलकर्मियों को ऐसे कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इस मौके पर उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन, लखनऊ की अध्यक्षा अपर्णा त्रिपाठी, रेलवे अधिकारियों सहित मण्डल के कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजस्थान सरकार गैंगरेप पीड़ित परिवार को न्याय दे : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने राजस्थान में दौसा जिले के गांव बगड़ी में मूक बधिर दलित बालिका के साथ पिछले ४ अगस्त को हुये गैंगरेप के आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग अशोक गहलोत की सरकार से की है। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि गैंगरेप में आरोपी अभी तक पकड़े नहीं गये हैं । पीड़ित परिवार

की शिकायत है कि आरोपियों को सरकार का संरक्षण मिला हुआ है जो दुखद और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार से मांग है कि दलित विरोधी मानसिकता और कार्यशैली को त्याग कर रेप के सभी आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे ,यह बसपा की मांग है।

मोदी, योगी के खिलाफ नफरत भरे संदेश पोस्ट करने पर शख्स गिरफ्तार

भुवनेश्वर। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कुछ धर्म गुरुओं के खिलाफ नफरत भरे संदेश पोस्ट करने के आरोप में ओडिशा के कटक जिले के एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी आज दी। उत्तर प्रदेश पुलिस ने कल आरोपी को गिरफ्तार किया था। जिसकी पहचान सलीपुर के कुसुंभी गांव के निवासी ४० वर्षीय

सैयद हसन अहमद के रूप में हुई है। बागपत जिले के अंतर्गत सिंघाबली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने कहा कि आरोपी पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है, जिसमें देशद्रोह का आरोप भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि अहमद पर प्रतिष्ठित लोगों को धमकी भरे पोस्ट करने का आरोप है।

जीएसटी को लेकर केंद्र पर राहुल का हमला

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के प्रति हमलावर रुख जारी रखते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जीएसएटी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह अर्थव्यवस्था के असंगठित क्षेत्र के लिए दूसरा बड़ा आक्रमण है और इसके दोषपूर्ण कार्यान्वयन ने अर्थव्यवस्था का सर्वनाश कर दिया। सीरीज के तीसरे वीडियो में राहुल गांधी ने कहा कि जीएसटी यूपीए सरकार का आइडिया था। एक टैक्स, सरल टैक्स और साधारण, लेकिन एनडीए ने इसे जटिल बनाकर रख दिया। राहुल ने कहा, एनडीए सरकार द्वारा लागू जीएसटी में चार अलग–अलग टैक्स हैं। २८ प्रतिशत तक टैक्स है और बड़ा जटिल है। समझने को बहुत मुश्किल टैक्स है। उन्होंने कहा कि जो छोटे और मझोले व्यापार वाले हैं, वो इस टैक्स को भर ही नहीं सकते जबकि बड़ी कंपनियां बड़ी आसानी से भर सकती हैं, वे पांच–१० अकाउंटेंट लगा सकती हैं। राहुल गांधी ने सवालिया लहजे में कहा, देश में ये चार अलग–अलग टैक्स रेट क्यों हैं। ये ऐसा इसलिए है क्योंकि सरकार

चाहती है कि जिसकी जीएसटी तक पहुंच हो वो इसे आसानी से बदल पाए और जिसकी पहुंच न हो वो जीएसटी के बारे में कुछ न कर पाए। हिंदुस्तान के १५–२० उद्योगपतियों की पहुंच है तो वे जो भी टैक्स का कानून वे बदलना चाहते हैं तो वे इस जीएसटी रेजीमे में आसानी से बदल सकते हैं। राहुल ने कहा, यह जीएसटी पूरी तरह से विफल है, यह गरीबों पर और छोटे व मझोले व्यवसायों पर हमला है। जीएसटी एक कर प्रणाली नहीं है, यह भारत के गरीबों पर आक्रमण है। छोटे दुकानदारों, छोटे और मझोले व्यवसायों, किसानों और मजदूरों पर आक्रमण है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमें इस आक्रमण को पहचानना होगा और मिलकर इसके खिलाफ हम सबको खड़े होना होगा। उन्होंने कहा, एनडीए की जीएसटी का नतीजा क्या है? कि आज हिंदुस्तान की सरकार राज्यों को जीएसटी का पैसा ही नहीं दे पा रही है। प्रदेश कर्मचारियों को राज्य पैसा नहीं दे पा रहे हैं। राहुल ने बुधवार को अपना दूसरा वीडियो जारी किया था और आरोप लगाया था कि नोटबंदी भारत के गरीबों, किसानों, मजदूरों और छोटे दुकानदारों पर आक्रमण था और उन्होंने इसे भारत की असंगठित अर्थव्यवस्था पर हमला करार दिया।

राजनाथ ने ईरानी रक्षामंत्री के साथ तेहरान में द्विपक्षीय बैठक की

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस की यात्रा से स्वदेश लौटते समय शनिवार को ईरान की राजधानी तेहरान में अपने ईरानी

समकक्ष ब्रिगेडियर जनरल अमीर हात्मी के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। सिंह रूस की राजधानी मास्को में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के बाद शनिवार को स्वदेश रवाना हुए थे। ईरानी रक्षा मंत्री ने सिंह से तेहरान में रूकने और बातचीत का अनुरोध किया था। दोनों रक्षा मंत्रियों के बीच सौहार्दपूर्ण और गर्मजोशी के माहौल में बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने भारत और ईरान के बीच वर्षों पुराने सांस्कृतिक, भाषायी और सभ्यता पर आधारित संबंधों के महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने अफगानिस्तान में शांति और सुरक्षा सहित क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर बातचीत के साथ साथ द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की।

अस्सी और विशेष ट्रेनें चलेंगी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने त्योहारों का सीजन शुरू होने से पहले ट्रेनों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है। कोरोना वायरस का संकट शुरू होने के बाद ट्रेनों का परिचालन बंद कर दिया गया

था। बाद में विशेष ट्रेनें चालू की गई थीं। इस समय २३० ट्रेनें चल रही हैं। रेलवे १२ सितंबर से ८० और ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। इसके लिए १० सितंबर से रिजर्वेशन शुरू होंगे। शनिवार को रेलवे बोर्ड के चेयरमैन विनोद कुमार यादव ने इसकी जानकारी दी। यादव ने कहा– हम लगातार इस बात पर नजर रख रहे हैं कि किन ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट लंबी है। जिस भी ट्रेन में ऐसा होगा, उसके लिए एक और ट्रेन चलाई जाएगी। इसे क्लोन ट्रेन नाम दिया गया है। ये क्लोन ट्रेन, वास्तविक ट्रेन से पहले चलेगी, ताकि ज्यादातर यात्रियों को जगह मिल सके। जिन राज्यों से परीक्षाओं या अन्य किसी चीज के लिए ट्रेन चलाने की मांग होगी, उसे भी पूरा किया जाएगा। रेल मंत्रालय ने पहले कई श्रमिक स्पेशल ट्रेन सेवाओं के साथ–साथ आईआरसीटीसी स्पेशल ट्रेन सेवाओं की शुरुआत की थी। कोरोना महामारी के कारण इस समय सभी यात्री ट्रेन सेवाएं निलंबित हैं। अभी देश में २३० स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। पिछले दिनों २६ अगस्त को अनलक के चौथे चरण की गाइडलाइन जारी होने के तीन दिन बाद भारतीय रेलवे ने कहा था कि रेलवे आने वाले दिनों में एक सौ और ट्रेनें चलाने की योजना पर काम कर रहा है। कोरोना वायरस और लकडाउन के चलते रेलवे ने २५ मार्च से ही सभी पैसेंजर, मेल और एक्सप्रेस ट्रेन सर्विस को रद्द कर दिया था।

कुपोषण मुक्त उत्तर प्रदेश के निर्माण का लें संकल्प : मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि पोषण की जागरूकता स्वस्थ समाज की कुंजी है। प्रदेश का हर बच्चा व गर्भवती महिला कुपोषण मुक्त होने के साथ ही स्वस्थ रहे। इसके तहत स्वच्छता, शुद्ध पेयजल के उपयोग, स्वास्थ्य सजगता, पौष्टिक युक्त आहार के सेवन, साक्षरता, स्कूल चलो अभियान, नैतिकता और अच्छे संस्कारों को अपनाने विषयक कार्यक्रम प्रभावी रूप से चलाए जाएं। राष्ट्रीय पोषण माह –२०२० की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने यह संदेश दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि पोषण के स्तर को बेहतर करने के लिए, जिनके पास गाय रखने का स्थान है और गाय पालने के इच्छुक हैं, उन्हे गाय उपलब्ध कराई जाए। प्रदेश के सभी जनपद सदस्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े हुए थे। इस दौरान उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि पोषण स्तर को सुधारने के लिए लोग गाय पालें। गाय के भरण–पोषण के लिए प्रति गाय प्रतिमाह ६०० रुपये भी प्रदान किए जाएं। योगी ने कहा कि पोषण

अभियान का उद्देश्य विभिन्न आयु वर्ग में व्याप्त कुपोषण की दरों में कमी लाना है। इसके लिए मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है। ७ सितंबर से प्रारंभ हो रहे राष्ट्रीय पोषण माह–२०२० के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश, पोषण माह में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर सके, इस उद्देश्य के साथ सभी विभाग कार्य करें। गोरखपुर व आस–पास के क्षेत्रों में इंसेफेलाइटिस के दंश को हमने नियंत्रित किया है। यह एक सफलतम उदाहरण है। इससे सीखा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी अभियान तभी सफल हो सकता है, जब उसमें जनता भी सहभागी हो। इस हेतु शासकीय अधिकारियों के अतिरिक्त जन–प्रतिनिधियों, मीडियाकर्मियों, स्वैच्छिक संस्थाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी अभियान से जोड़ा जाए, जिससे यह सही अर्थों में जनांदोलन बन सके एवं कुपोषण के स्तर में सुधार आ सके। समस्त जनपदों में डिजिटल पोषण पंचायतों का आयोजन किया जाए। पोषण पंचायत प्रत्येक परिवार तक पहुंचते हुए जागरूकता सृजित करेगी। पोषण माह के अंतर्गत विशेष अभियान के तहत मुख्यमंत्री ने न्यूट्री गार्डन की स्थापना के निर्देश भी दिए।

राजस्थान के स्वास्थ्य विभाग के पूर्व अधिकारी, उसका बेटा गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि उसने राजस्थान के स्वास्थ्य विभाग के एक पूर्व अधिकारी और उसके बेटे को आय के ज्ञात स्रोत से अधिक की संपत्ति के मामले से जुड़े धन शोधन की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। ईडी ने राजस्थान सरकार के स्वास्थ्य और चिकित्सा विभाग में नर्सिंग ट्यूटर के तौर पर काम कर चुके और एसएमएस मेडिकल कालेज में नियुक्त महेश चंद शर्मा तथा उसके बेटे मोहित शर्मा को जयपुर में धन शोधन रोकथाम कानून की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया। एजेंसी ने एक बयान में बताया कि उन्हें एक स्थानीय अदालत के समक्ष

पेश किया गया जहां से उन्हें १० दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया गया। महेश चंद शर्मा दिल्ली में इंडियन नर्सिंग काउंसिल (आईएनसी) का भी सदस्य था। ईडी ने कहा, लोकसेवक के तौर पर भ्रष्ट तरीके अपनाकर महेश चंद शर्मा द्वारा बनायी गयी अवैध संपत्ति का पता लगाने के लिए आरोपियों से हिरासत के दौरान पूछताछ की जा रही है। एजेंसी ने राज्य के भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज प्राथमिकी और दायर आरोपपत्र के आधार पर महेश और अन्य के खिलाफ धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत आपराधिक आरोप लगाए हैं। ईडी ने कहा है कि जयपुर एसीबी ने कुछ समय पहले शर्मा और उसके एक सहयोगी को एक नर्सिंग संस्थान का नाम इंडियन नर्सिंग काउंसिल की वेबसाइट पर शामिल कराने के बदले में पांच लाख रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ा था। ईडी ने आरोप लगाया, एसीबी की जांच से पता चला कि आरोपी ने १०.६ करोड़ रुपये की संपत्ति बनायी, जो कि आय के ज्ञात स्रोत से ३७२ प्रतिशत ज्यादा है। जांच के दौरान ईडी ने जयपुर के मानसरोवर में आरएजी अस्पताल में महेश के रिहायशी परिसर और जयपुर के सांगानेर इलाके के नैना विहार में उसके सहयोगी किशन लाल सैनी के परिसर पर भी छापेमारी की। जांच एजेंसी ने कहा कि छापेमारी के दौरान कई भूखंड, बेनामी संपत्ति के दस्तावेज मिले ।

अदभुद बरगद वृक्ष : दुनिया का सबसे बड़ा बरगद वृक्ष

अमरेन्द्र सहाय अमर

बरगद का वृक्ष तो भारत में कहीं भी आसानी से दिख जाता है . बरगद का वृक्ष एक दीर्घजीवी विशाल वृक्ष है., हिन्दू परंपरा में इसे पूज्य माना जाता है. अलग अलग देवों से अलग अलग वृक्ष उत्पन्न हुए, उस समय यक्षों के राजा मणिभद्र से वटवृक्ष उत्पन्न हुआ. ऐसा मानते हैं इसके पूजन से और इसकी जड़ में जल देने से पुण्य प्राप्ति होती है. यह वृक्ष त्रिमूर्ति का प्रतीक है. इसकी छाल में विष्णु,जड़ में ब्रह्मा और शाखाओं में शिव का वास माना जाता है. जिस प्रकार पीपल को विष्णु जी का प्रतीक माना जाता है, उसी प्रकार बरगद को शिव जी माना जाता है. यह प्रकृति के सृजन का प्रतीक है, इसलिए संतान के इच्छित लोग इसकी विशेष पूजा करते हैं. यह बहुत लम्बे समय तक जीवित रहता है , अतः इसे ‣अक्षयवट‣ भी कहा जाता है. लेकिन हम जिस बरगद के वृक्ष की बात करने जा रहे है वह अद्भुत और अनोखा है. इस विशालकाय बरगद को देखने के बाद यह समझ में आता है कि यह कोई बरगद का वृक्ष नही अपितु एक छोटा मोटा जंगल है, जिसमे हजारों वृक्ष उगे हुए हैं. लेकिन अगर आप गौर से देखेंगे तो पता

चलेगा यह एक बरगद का वृक्ष है और इसकी जटाएँ, जड़ और तने चारो और फैले हैं. स्वयं लेखक इस अद्भुत वृक्ष को १९८० में देख चुका है. यह दुनिया का विशालकाय बरगद वृक्ष है जिसे देखने के लिए देश विदेश से हजारों पर्यटक इसे देखने आते हैं. बरगद का यह वृक्ष कोलकाता के आचार्य जगदीश चन्द्र बोस बोटैनिकल गार्डन में स्थित है. कहा जाता है वर्ष १७८७ में इस वृक्ष को इस बोटैनिकल गार्डन में रोपा गया था. तब इस वृक्ष कि आयु १५ से २० वर्ष की थी. इस हिसाब से यह अब २५० वर्ष से भी अधिक आयु का है . आज यह एक जंगल की तरह दिखता है. वास्तव में इस वृक्ष की शाखाओं से निकली जटाएं पानी की तलाश में भूमि की ओर बढती हैं जो बाद में जड़ के रूप में वृक्ष को सहारा उअर पानी देने लगती हैं .वनस्पतिशास्त्रियों के अनुसार यह बरगद का वृक्ष दुनिया का सबसे चौड़ा वृक्ष है. यह १६,८१८ वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है. इस बर्गर की ३,३७२ से अधिक जताएँ जड़ का रूप ले चुकी हैं. इस बरगद में ८७ से अधिक अलग अलग प्रजातियों के हजारों पक्षी इस पर निवास करते हैं. वृक्ष की परिधि ४८६ मीटर है. इसकी सबसे ऊँची शाखा २४ मीटर लम्बी है. १९२५ में इस वृक्ष की मुख्य शाखा में फंगस लग गया था जिसके बाद इसे काटना पडा. वर्ष १९८४ और १९८७ में आये दो चक्रवाती तूफानों ने इस वृक्ष को काफी नुकसान पंहुचाया परन्तु यह आज भी शान से खड़ा है. इसकी विशालता को देखते हुए गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड ने इसे वार्ड रिकार्ड का दर्जा दे चुका है. १९८७ में भारत सरकार इस पर डाक टिकट छाप चुकी है. अब यह बोटैनिकल सर्वे आफ इंडिया का प्रतीक चिन्ह है. १३ लोगों की एक विशेष टीम इस बरगद की देखभाल करती है. इसे वाकिंग ट्री भी कहते है. इस गार्डन के केयर टेकर का अनुसार जिधर प्रदूषण अधिक होता है उधर यह वृक्ष नही बढ़ता है. यह पूर्व दिशा कि ओर बढ़ रहा है. प्रातःकाल सूर्य की ओर से आने वाली सूर्य रश्मियों के ओर इसकी वृद्धि देखी गई है।

अरुणाचल के पांच युवकों को चीन ने अगवा किया

गुवाहाटी। एक हैरान करने वाले घटनाक्रम में चीन के सैनिकों ने अरुणाचल प्रदेश के पांच युवकों को अगवा कर लिया। इससे पहले इस तरह की घटना नेपाल की सीमा पर हुई थी, जब कुछ दिन पहले ही नेपाल के सैनिक भारत के एक व्यक्ति को अगवा करके ले गए थे और एक व्यक्ति की गोली मार कर हत्या कर दी थी। बहरहाल, अरुणाचल प्रदेश की घटना के बाद कांग्रेस के विध ायक ने ट्विट करके इसकी जानकारी दी। अरुणाचल प्रदेश की पुलिस इस घटना की जांच कर रही है। सेना को भी इसकी खबर दी गई है। बताया जा रहा है कि अगवा किए गए लोगों के साथ दो और लोग भी थे, जो खुद को बचाने में कामयाब रहे। घटना नाछो क्षेत्र की है। यह सुबानसिरी जिले में आता है। गांव के लोग शनिवार को भारतीय सेना के अफसरों से मुलाकात के लिए जाने वाले थे। राज्य के कांग्रेस विधायक निनन्ग एरिंग ने ट्विटर पर अगवा किए गए लड़कों नाम भी बताए। एरिंग ने कहा— चीन के सैनिकों ने नाछो कस्बे में रहने वाले पांच लड़कों को अगवा किया है। कांग्रेस विध

ायक ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से अपील की है कि पांचों लड़कों की सुरक्षित वापसी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब राजनाथ सिंह रूस और चीन के रक्षा मंत्रियों से मुलाकात कर रहे थे ऐसे समय में यह घटना हुई है। ऐसे में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी, पीएलए की इस हरकत से बेहद गलत संदेश जाएगा। चीन को माकूल जवाब जरूर दिया जाना चाहिए। एरिंग ने ट्विट के साथ फेसबुक का एक स्क्रीनशट भी शेयर किया। इसमें बताया गया है कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के सैनिकों ने किन भारतीयों को अगवा किया है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, अगवा किए गए सभी पांच लड़के तागिन समुदाय के हैं। चीनी सैनिक नाछो क्षेत्र के जंगल से इन्हें उठा ले गए। यह क्षेत्र सुबानसिरी जिले में आता है। घटना की जानकारी इनके एक रिश्तेदार के जरिए सामने आई। इसके बाद कांग्रेस विधायक ने ट्विट किया। अगवा किए गए पांच लड़कों के नाम हैं— टोक सिंग्काम, प्रसात रिंगलिंग, दोंग्तु इबिया, तानु बेकर और नागरू दिरि। इन लोगों के साथ गांव के दो और लोग थे, लेकिन वे भागने में कामयाब रहे।

बेसिक शिक्षा के वित्त व लेखा अधिकारी नागेश कुमार त्रिपाठी द्वारा शिक्षिका के साथ उत्पीड़न और अभद्रता से शिक्षकों में रोष, दोषी अधिकारी पर कार्यवाही की माँग

आरती पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने बेसिक शिक्षा के लेखाधिकारी नागेश कुमार त्रिपाठी पर बेसिक शिक्षिका रीना त्रिपाठी के साथ दुर्व्यवहार व असंसदीय शब्दों का प्रयोग करने व अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए लेखाधिकारी त्रिपाठी पर कठोर कार्यवाही की माँग की है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष विजय चौरसिया,वरिष्ठ उपाध् यक्ष प्रदीप सिंह,संयुक्त मंत्री अम्मार अली और मंती ज्ञान प्रताप सिंह ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय अलीनगर खुर्द ,सरोजनी नगर में कार्यरत सहायक अध्यापिका रीना त्रिपाठी जो प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिला इकाई लखनऊ में कोषाध्यक्ष भी है के साथ अपने कार्यकाल में लेखाधिकारी नागेश कुमार त्रिपाठी ने वेतन निर्धारण में अनियमितता के मामले में शिक्षिका द्वारा ज्ञापन देने के बाद वार्ता में अपना आपा खोकर अभद्रता की व असंसदीय शब्दों का प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्थित वित्त एवं लेखा अधिकारी से लखनऊ के शिक्षकों के वेतन निर्धारण में अनियमितता और विसंगति के संबंध ा में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल वार्ता करने के लिए गया था जिसमे रीना त्रिपाठी भी सम्मिलित थी। इस घटना के एक हफ्ते पहले भी रीना त्रिपाठी ने वित्त एवं लेखा अधिकारी के सामने अनियमितता को संज्ञान में लेने का आग्रह किया था, तब भी वित्त एवं लेखाधिकारी का रुख सकारात्मक नहीं था और उन्होंने वार्ता हेतु एक हफ्ते बाद आने को कहा था ।इसी क्रम में संघ के प्रतिनिधि वित्त एवं लेखाधिकारी के दफ्तर लगभग ४: ०० बजे पहुंचे। जैसे ही उन्होंने अपनी बात रखनी प्रारंभ की नागेश कुमार त्रिपाठी पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर उनके दफ्तर में जो वेतन संबंधी घोटाले हो रहे हैं उसे न उजागर करने की चेतावनी देने लगे। वार्ता के दौरान अचानक उत्तेजित होकर लेखाधिकारी शिक्षिका रीना त्रिपाठी की ओर इशारा करके कहने लगे कि मैं इस महिला से बात नहीं करूंगा। यह निवेदन करने पर कि चयन वेतनमान और वेतन वृद्धि न लगने की शिक्षकों की समस्या है, और वे अपनी समस्या आपके सामने रखने आये हैं तथा मेरे जैसे लखनऊ के लगभग बहुत से शिक्षकों की यह समस्या है शिक्षक प्रतिनिधि होने के कारण हम उनकी समस्याओं से आपको अवगत कराना चाहते है। बार बार निवेदन करने पर भी समस्या सुनने और समाधान करने के बजाय, लेखा अधिकारी उत्तेजित होकर कहने लगे कि यह औरत कमरे से बाहर निकल जाए, इस औरत से मैं बात नहीं करूंगा। उन्होंने कई अमर्यादित टिप्पणियां की और हद तो तब हो गई जब उन्होंने यह कहा कि इस सड़क छाप औरत से बात नहीं करूंगा,यह टिप्पणी किसी भी महिला के लिए घोर अपमान जनक है। उक्त घटनाक्रम से कई शिक्षकों के सामने एक महिला शिक्षक की गरिमा और निजता पर गहरी चोट आई है। इस महिला उत्पीड़न के अपमान जनक व्यवहार और टिप्पणी से शिक्षक अत्यधिक व्यथित है और पीड़ित शिक्षिका गहरा अवसाद अनुभव कर रही है। इस घटना के समय उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के श्री विजय चौरसिया, श्रीप्रदीप सिंह, श्रीअम्मार अली पदाधिकारी भी मौजूद थे। सभी उपस्थित पदाधिकारी लेखा अधिकारी द्वारा की गई अमर्यादित और अपमान जनक टिप्पणी से हतप्रभ रह गए। शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने वित्त नियंत्रक से मांग की है कि उक्त अमर्यादित घटना का संज्ञान लेते हुए, महिला सम्मान की रक्षा के लिए लेखा अधिकारी नागेश कुमार त्रिपाठी पर नियमानुसार महिला उत्पीड़न में समुचित कार्यवाही करने की कृपा करें।

ना डेटा ना फोन..रोटी खाएं या रिचार्ज कराएं

राकेश पाण्डेय ''निश्छल''

जब से भारत में लॉकडाउन लागू हुआ सरकार ने शैक्षिक संस्थाओं को निर्देश दिये हैं कि आनलाइन कक्षायें शुरू की जायें, जिससे बच्चों की पढ़ाई में कोई समस्या न आये। सरकारी स्कूलों के लिए भी ये निर्देश दिये गये हैं। उत्तर प्रदेश में भी प्राइवेट समेत सभी सरकारी स्कूलों में आनलाइन कक्षायें शुरू की गयी हैं। जब से भारत में लॉकडाउन लागू हुआ तब से ये बात बार–बार कही गई है किन्तु इस बात पर बार–बार सबका ध्यान आकर्षित करते रहने की है। आज एसी कमरों में बैठे समाज के धनी–मानी तबके अक्सर अपनी स्थिति जैसी ही पूरे समाज की स्थिति का आंकलन कर लेते हैं। इसिलिए इन दिनों ऑनलाइन शिक्षा का खूब महिमामंडल किया जा रहा है, किन्तु कुछ मूर्खों को यह याद दिलाते रहने की जरूरत है कि यह सुविधा सबको हासिल नहीं है। पहले नोट बन्दी और उसके बाद करोना जैसी भयावाह बीमारी की वजह से लागू किए गए लॉकडाउन में कितनों के रोजगार चले गए लोगों की नौकरिया चली गई। आज गॉवों बसे गरीब किसान/मजदूर परिवार हों या शहर में रहने वाले गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार कठिनाइयों के दौर से गुजर रहे हैं। और तो और बड़े बड़े स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने वाले कुछ परिवारों को स्कूलों की फीस देने तक के लाले पड़ रहे हैं। मगर इन सब बातों को नजर अन्दाज कर सिर्फ एक राग ही अलापा जा रहा है ऑनलाइन शिक्षा ऑनलाइन शिक्षा। एसी में बैठे हजूरों को ये नहीं पता जिसके पास इस माहौल में परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है वो एन्डरॉइड फोन और इन्टरनेट डेटा कहां से खरीदेगा। आजकल बेसिक शिक्षा विभाग के महानिदेशक इस पर कुछ ज्यादा उतावले नजर आ रहे हैं। मार्च में लागू किए गए लॉकडाउन के समय से ही व्हाटसएप पर बच्चों का ग्रुप बना कर उन्हें पढ़ाने का राग अलापकर शिक्षकों पर नित नया दबाव बनाते रहे है। स्कूलों को ना तो मोबाईल फोन ही दिया और ना ही इन्टरनेट डेटा मगर फिर भी मरता क्या न करता.... शिक्षक ने अपने पास से डेटा खर्च कर छात्र हितों को ध्यान में रखते हुए कुछ बच्चों को अपने प्रयास से जोड़ा और पढ़ाना भी शुरू कर दिया। मगर ये उसमें भी बाधा उत्पन करते है रोज सैकड़ों वीडीयो भेजकर जिनमें न जाने कितने जीबी डेटा खर्च होता है। खुद जनाब सरकारी खर्चे पर करते हैं मगर शिक्षक और गरीब परिवारों के बच्चे अपने पास से, मगर इनको ये नहीं पता ऐसा कुछ बच्चों के परिवार ही कर पा रहे हैं वो भी शिक्षकों के दबाव में बामुश्किल। शायद जनाब ये नहीं जानते, ये बात एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूनिसेफ के एक अध्ययन से सामने आई है। उस अध्ययन से पता चला है कि कोविड–१६ महामारी और स्कूलों के व्यापक तौर पर बंद होने से दुनिया में जितने बच्चे प्रभावित हुए हैं, उनमें से कम से कम एक–तिहाई बच्चों तक वर्चुअल शिक्षा पहुंच नहीं पा रही है। यूनिसेफ के के मुताबिक पूरी दुनिया में करीब ४६.३ करोड़ बच्चे ऐसे हैं, जिनके पास दूर से शिक्षा ग्रहण करने के लिए या तो उपकरण नहीं है या इलेक्ट्रॉनिक पहुंच नहीं है। इस संस्था के एक बयान में कहा गया कि ऐसे बच्चे जिनकी शिक्षा महीनों तक पूरी तरह से बाधित हो गई थी, उनकी अगर कुल संख्या देखें तो ये शिक्षा का एक वैश्विक आपातकाल लगता है। इसके नतीजे समाजों में और अर्थव्यवस्थाओं में आने वाले दशकों तक महसूस हो सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि महामारी की वजह से जो तालाबंदी लगी और स्कूल बंद हुए उस से दुनिया में करीब डेढ़ अरब बच्चे प्रभावित हुए हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट में दूर से मिलने वाली शिक्षा तक पहुंच पाने में बच्चों के बीच भौगोलिक अंतर को भी रेखांकित किया गया है। उदाहरण के तौर पर अफ्रीका या एशिया के कुछ हिस्सों के मुकाबले यूरोप में काफी कम बच्चे प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट लगभग १०० देशों से लिए गए डेटा पर आधारित है। इस डेटा के जरिए इंटरनेट, टीवी और रेडियो तक लोगों की पहुंच को मापा गया। वैसे रिपोर्ट में कहा गया है कि यह संभव है कि जिन बच्चों के पास ये साधन हैं, उन्हें दूसरी तरह की अड़चनों का सामना करना पड़ रहा होगा। तो भइया फिर काहे का ऑनलाइन शिक्षा का महिमामंडल और इस पर जोर। पहले छात्रों और शिक्षकों को मोबाईल फोन और बच्चों और स्कूलों के लिए हाई स्पीड इन्टरनेट की व्यवस्था करें फिर उसके बाद शिक्षकों की चाभी कसें। अभी तो काम तुम्हारा नाम हमारा वाली कहावत को सत्य करने का प्रयास जारी रखे हैं जनाब, इससे कुछ हासिल नहीं होगा थोड़ा एसी से बाहर निकल कर गरीब के छपरे में बैठकर मंथन करें। सरकारी स्कूलों का बहुतायत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे परिवारों या उससे थोड़ी बेहतर स्थिति में जीने वाले लोगों का है। यानी जिन परिवारों की प्रतिमाह की कमाई १० हजार से भी नीचे होती है, और लकडाउन ने जिनकी कमर तोड़कर रख दी है, खाने के लाले पड़े हैं, उनके बच्चे एंड्रायड फोन से आनलाइन पढ़ाई भला कैसे कर पायेंगे। बड़ा सवाल ये कि गरीब परिवारों से आने वाले बच्चों के अभिभावक लॉकडाउन के बीच रोटी खाएं या रिचार्ज कराएं––??

शिक्षक दिवस पर आर्यावर्त बैंक नें शिक्षकों को किया सम्मानित

लखनऊ। आज शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर आर्यावर्त बैंक लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय के तत्वाधान में गुरुजनों की गरिमामयी उपस्थिति में क्षेत्रीय प्रबंधक लखनऊ क्षेत्र श्री संजीव श्रीवास्तव द्वारा उपस्थित शिक्षकों को सम्मानित किया गया शिक्षकों के इस गौरवपूर्ण आभामंडल में मलिहाबाद माल काकोरी चिनहट लखनऊ नगरक्षेत्र गौसाइंगंज एवम समाज कल्याण सें संबद्ध विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहें इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंध ाक महोदय ने शिक्षकों का अभिनँदन करते हुए कहा कि हर व्यक्ति का प्रथम गुरु उसकी माँ होती है मगर गुरु का स्थान भी माँ के समान होता है माँ जन्म देती हैं गुरु जीवन देता है शिक्षक श्री प्रदीप सिंह जी ने ब्याजदर में प्रतिस्पर्धातमक दर अन्नपूर्णा लिमिट का उन्नयन का आग्रह किया शिक्षक श्री अवधेश यादव जी ने नेट बैंकिंग श्री विनोद राय जी ने अन्य शाखा सें नकदी आहरण की सीमा में वृद्धि की माँग की लगभग सभी शिक्षकों ने वरिष्ठ प्रबंधक श्री मनोज कक्कड़ के शिक्षकों सें पारस्परिक लगाव की बात की सभा को वरिष्ठ प्रबंधक श्री आर के जोशी वरिष्ठ प्रबंधक श्री आनंद तिवारी एवम शिक्षक जगत में सर्वप्रिय वरिष्ठ प्रबंधक श्री मनोज कक्कड़ जी ने संबोधित किया।

सरकारी नौकरियों के सृजन पर रोक संबंधी आदेश वापस ले सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गैर जरूरी खर्चों में कटौती से जुड़े सरकार के प्रस्ताव को लेकर शनिवार को कहा कि नयी नौकरियों के सृजन पर रोक जन विरोधी कदम है और इस आदेश को तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। पार्टी के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला ने वीडियो कंफ्रेंस के माध्यम से संवाददाताओं से कहा, इस समय देश की आर्थिक स्थिति बहुत ही बुरी हालत में है। ४५ साल में पहली बार जीडीपी में इतनी गिरावट हो रही है। इस घनघोर आर्थिक संकट से उबरने के लिए सरकार को एक कदम आगे बढ़कर आना चाहिए, जैसे दुनिया के बाकी देश कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया, निजी क्षेत्र में तो छंटनी चल रही है, लेकिन सरकार ने अब अपनी नौकरियों पर भी रोक लगा दी है। इस तरह से इस देश के युवा कहां जाएंगे? कहां नौकरियां मिलेंगी उन्हें? क्या करेंगे वो? शुक्ला के मुताबिक, सरकार ने सीएमआईई का डाटा जारी किया और उसमें उसने खुद्द स्वीकार किया कि किस तरह से १५ से २६ साल के आयु वर्ग में १७.८ प्रतिशत नौकरियां चली गयीं और इसके अलावा २० अगस्त तक १.८६ करोड़ लोगों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी। उन्होंने दावा किया, २०१४ के चुनाव में हर साल २ करोड़ नौकरी का वादा किया गया था, जबकि हर साल अब २ करोड़ नौकरियां खत्म हो रही हैं। शुक्ला ने कहा, कांग्रेस पार्टी ये मांग करती है कि सरकारी नौकरियों को ठप करने का जो सरकार का आदेश है, उसे तत्काल वापस लिया जाए और ज्यादा से ज्यादा नौकरियॉ सृजित करने पर जोर दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को फिलहाल हजारों–लाखों करोड़ रुपये वाली अपनी बड़ी परियोजनाओं पर रोक लगाकर युवाओं को रोजगार देने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। गौरतलब है कि चालू वित्त वर्ष के दौरान राजकोषीय घाटे में भारी वृद्धि की आशंका के बीच सरकार ने शुक्रवार को सभी मंत्रालयोंध्विभागों से गैर– जरूरी खर्चों को कम करने को कहा है। सरकार ने मंत्रालयोंध्विभागों से परामर्शकों की नियुक्ति की समीक्षा करने, आयोजनों में कटौती करने और छपाई के लिए आयातित कागत का इस्तेमाल बंद करने की सलाह दी है। व्यय विभाग की ओर से जारी एक कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है, मौजूदा राजकोषीय स्थिति तथा सरकार के संसाधनों पर दबाव को देखते हुए गैर–प्राथमिकता वाले खर्चों को कम करने और तर्कसंगत बनाने की जरूरत है, ताकि प्राथमिकता वाले खर्च के लिए संसाधन सुनिश्चित किए जा सकें। नए पदों के सृजन के बारे में कहा गया है कि इनपर प्रतिबंध ा रहेगा। कुछेक मामलों में व्यय विभाग की अनुमति से नए पदों का सृजन किया जा सकता है।

न्यूनतम शासन, अधिकतम निजीकरण है सरकार की नीति : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर तंज कसते हुए आज कहा कि उसने अपनी नीति बदल दी है और वह अब 'न्यूनतम शासन, अधिकतम निजीकरण' की सोच के साथ काम कर रही है। गांधी ने कहा मोदी सरकार की सोच–न्यूनतम शासन अधिकतम निजीकरण'। कोविड तो बस बहाना है, सरकारी दफ्तरों को स्थायी"स्टाफ–मुक्त' बनाना है, युवा का भविष्य चुराना है और 'मित्रों' को आगे बढ़ाना है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा "मोदी जी,अब नई नौकरियों व नए पदों पर बैन। युवाओं के लिए शिक्षा नहीं, युवाओं के लिए रोजगार नहीं, युवाओं की परीक्षा का नतीजा नहीं,अब..युवाओं के लिए भविष्य में भी नौकरी नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं के लिए अवसर पैदा नहीं करती है और इस दिशा में कोई प्रयास भी नहीं किये जा रहे है। उन्होंने कहा "युवाओं के भविष्य पर कुंडली मारे बैठी भाजपा! कब देंगे न्याय, अब नहीं चलेगा अन्याय!

संविदा नवीनीकरण के नए आदेशों से कस्तूरबा शिक्षकों में भूचाल

कस्तूरबा शिक्षक न्यायालय की शरण में, कुछ पूर्णकालिक शिक्षकों के अंशकालिक में परिवर्तित होने की संभावना से उपजा विवाद

के०के० शुक्ला/हरिशंकर मिश्र, लखीमपुर–खीरी। शिक्षा महानिदेशक के कस्तूरबा शिक्षकों की संविदा नवीनीकरण सम्बन्धी नए आदेशों ने प्रदेश के कस्तूरबा शिक्षकों में एक भूचाल सा ला दिया है जिसको लेकर आदेशों को पूर्ववत् करने के लिए प्रत्येक जिले से विगत दिनों कस्तूरबा शिक्षकों द्वारा जिलाधिकारियों के माध्यम से ज्ञापन भी भेजे जा चुके हैं जिसके बाद कुछ न होता देख कस्तूरबा शिक्षकों ने न्यायालय की शरण ली है। मिली जानकारी के अनुसार जैसा कि सर्वविदित है कि शिक्षा में सुधार लाने के लिए भारत सरकार जोरों से प्रयासरत है। इसी क्रम में उ०प्र० शिक्षा महानिदेशक विजय किरन आनंद भी शिक्षा में सुधार के नए नए तरीके आजमा रहे हैं वह भ्रष्टाचार मुक्त शिक्षा लाना चाह रहे हैं उनकी यह सोच बहुत ही अच्छी है लेकिन उनके द्वारा इसके लिए किए जा रहे प्रयोगों से जिससे भ्रष्टाचार कम हो या ना हो पर इसके लिए आए दिन निकलने वाले नये नये आदेशों से कार्यरत ईमानदार स्टाफ भी बहुत परेशान हो रहा है। उ०प्र० शिक्षा महानिदेशक विजय किरन आनंद द्वारा हाल ही में कस्तूरबा विद्यालयों में कार्यरत संविदा शिक्षिकाओं को नवीनकृत संविदा प्रदान करने के लिए (मालूम हो कि यह कस्तूरबा विद्यालय संविदा कार्मिकों शिक्षकों के भरोसे ही चल रहे हैं।) एक परीक्षा लगाना चाह रहे थे जिसमे सारे टीचर जो जिस विषय का है वह उस विषय की परीक्षा पास कर पुनः उस पद पर कार्य करेगा। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या हर आईएएस पीसीएस भी दोबारा आईएएस पीसीएस की परीक्षा साल दो साल बाद अथवा एक निर्धारित समय के पश्चात् पास करे तभी वह आगे की सेवाएं जारी रख सकेगा। जाहिर है कि यह शायद सम्भव नही हो पायेगा अर्थात् उन्हें सेवाएं जारी रखने के लिए दुबारा से वह परीक्षा पास नहीं करनी होती है बल्कि सर्विस काल में अनुभव के आधार पर समय समय पर प्रमोशन आदि मिलता रहता है। ऐसे में किसी शिक्षक की शैक्षिक योग्यता से लेकर बीएड एंट्रेंस, बीएड, टीईटी फिर एकेडमिक मेरिट आदि सबकी वैल्यू नजरन्दाज कर मात्र किसी नियुक्त किए गए संविदा पद बने रहने के लिए परमानेन्ट शिक्षक हेतु निर्धारित टीईटी जैसी परीक्षा पास करने के बाद बार बार परीक्षा देने का क्या औचित्य है। जबकि सबसे ज्यादा वेतन और जिम्मेदारियां उच्च पदो पर होती हैं वहां पद पर बने रहने के लिए दोबारा कोई परीक्षा देने का विधान नहीं है। ज्ञात हो भारत सरकार द्वारा शिक्षा से वंचित बालिकाओं को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की स्थापना करीब डेढ़ दसक पहले की गई। इन विद्यालयों में लगभग १४ लोगो का स्टाफ रखा जाता है । जिसमें ३–४ पूर्णकालिक शिक्षिकाएं ,३ अंशकालिक शिक्षिकाओं ,१ मुख्य रसोइया २ सहायक रसोइया १ चपरासी और एक चौकीदार की व्यवस्था की गई और ये सभी लोग वार्डन के दिशा निर्देशन में कार्य करते है। वार्डन पूरी संस्था की प्रधान होती है। जिसमें शिक्षिकाओं और वार्डन की संविदा नियुक्ति टीईटी पास करके एकेडमिक मेरिट पर होती है जिसमें हाईस्कूल, इंटरमीडिएट ,स्नातक, प्रशिक्षित स्नातक और टीईटी के नंबर जोड़ कर उच्च मेरिट वाले को ये नौकरी प्रदान की जाती है तब शिक्षिकाओं को मानदेय वार्डन का ११००० , फुल टाइम टीचर को ६२०० और अंश कालिक को ७२०० रूपए था उसके बाद २०१४ में वार्डन को २७५००,फुल टाइम टीचर का वेतन बढ़कर के २२००० रुपए हो गया परन्तु अंश कालिक का मानदेय ७२०० रूपए से घटकर के ५००० रूपए कर दिया गया तथा उनके कार्य समय सिर्फ ३ घंटा कर दिया गया। बहुत दिन तक कोर्ट में केस चलते रहने के बाद अभ्यर्थी केस जीत गए और अंशकालिक शिक्षिकाओं का मानदेय बढ़कर ६८०० रूपए किया गया। ज्ञात हो कि अंशकालिक शिक्षक अपने निवास से प्रतिदिन अपने साधन से विद्यालय आते जाते हैं जबकि पूर्णकालिक विद्यालयों में ही निवास करते हैं। लोगों का मानना है कि सरकार समान कार्य पर समान वेतन तो नहीं देती उसके बाद बार बार परीक्षाएं लगाकर मानदेय पर नियुक्त लोगों को परेशान कर रही है। अभी हाल ही में विजय किरण आनंद जी कस्तूरबा विद्यालयों में सुधार करने की कोशिश में लग गए जिनमें सभी विद्यालयों के शिक्षकों आदि की योग्यता का वेरीफिकेशन करवाया जा रहा है। वर्तमान में अब एक नया मामला पिछले करीब एक साल से संगत और असंगत विषय का चल रहा है जिसमें जब कस्तूरबा विद्यालय बने थे तब मन चाहे विषय से टीचर को फुल टाइम और पार्ट टाइम में रखा गया था। अब विजय किरण आनंद ने उसमें मुख्य विषय और गौड़ विषय कर दिए हैं जिसमे मुख्य विषय हिंदी, अंग्रेजी गणित ,सामाजिक विषय, विज्ञान और गौड़ विषय शारीरिक शिक्षा , गृह विज्ञान ,कला, और कंप्यूटर है। मुख्य विषयों के लिए फुल टाइम टीचर व गौड़ विषयों के लिए पार्ट टाइम टीचर रहेंगे। पहले की व्यवस्था में किसी भी विषय से फुल टाइम पार्ट टाइम टीचर रख दिया जाता था। इसमें भर्ती करने के समय मुख्य और गौड़ विषयों पर विचार नहीं किया गया परन्तु आज जब हजारों लोग पुरानी व्यवस्था के अनुसार अल्प मानदेय की संविदा शिक्षक की नौकरी कर रहे हैं उनका परेशान होना स्वाभाविक है क्योंकि वैसे भी बहुत परेशान बेरोजगार निरन्तर बढ़ रहे हैं ऊपर से बेरोजगार बढ़ाने की यह एक नई कोशिश जैसी है अर्थात् जिसको २२००० मिल रहे है उसे ६८०० और जिसे ६८००मिल रहे हैं उसे २२००० मिलेगा उससे शिक्षकों के बीच में तनाव का माहौल बनता जा रहा है। किसी भी नियम संशोधन में यह भी देखना आवश्यक है कि किसी का अनहित न हो। एक ऑफिसर को क्लर्क और एक क्लर्क को ऑफिसर बना दिया जाए तो उसे कैसा प्रतीत होगा विचार कीजिए इसमें उस ऑफिसर की क्या गलती है। ये मुद्दा विचारणीय है ? इसमें बहुत लोगो का भविष्य दांव पर लगा है। बहरहाल शिक्षा महानिदेशक के इस तरीके के आदेशों ने प्रदेश के कस्तूरबा शिक्षकों में एक भूचाल सा ला दिया है जिसको लेकर आदेशों को पूर्ववत् करने के लिए प्रत्येक जिले से विगत दिनों कस्तूरबा शिक्षकों द्वारा जिलाधिकारियों के माध्यम से ज्ञापन भी भेजे जा चुके है जिसके बाद कुछ न होता देख कस्तूरबा शिक्षकों ने न्यायालय की शरण ली है। शिक्षकों को विश्वास है कि न्यायालय उनके साथ न्याय करते हुए राहत अवश्य प्रदान करेगा।

पूर्व विधायक निर्वेन्द्र मुन्ना की मौतए परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में जमीन के विवाद को लेकर पूर्व विधायक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पूर्व विधायक की मौत की खबर के बाद परिवारों ने जमकर हंगामा किया। जमीन का विवाद सुलझाने गए निघासन के पूर्व विधायक निर्वेन्द्र मुन्ना का रविवार को शव मिलने से हड़कंप मच गया। आनन–फानन परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। परिवार वालों ने पूर्व विधायक की पीटकर हत्या का आरोप लगाया है। परिवार वालों ने जमकर हंगामा किया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। जिला खीरी के मुख्यालय से करीब ६० किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम त्रिकौलिया पढ़ुवा थाना सम्पूर्णा नगर में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष आज भिड़ गए। जिसमें एक पक्ष पलिया का और दूसरा पक्ष थाना सम्पूर्णा नगर के ग्राम त्रिकौलिया के पूर्व विधायक निर्वेद्र कुमार मिश्रा उर्फ मुन्ना का था। बताते हैं जमीन पर कब्जेदारी को लेकर उपजे विवाद के दौरान हांथा पायी हुई। इस दौरान पूर्व विधायक भी मौजूद थे। हो हल्ला होने पर पूर्व विधायक गिर पड़े उनकी हालत बिगड़ गयी । जिन्हे उपचार हेतु अस्पताल ले जाया जा रहा था परन्तु रास्ते में ही उनकी मौत हो गई जब की बेटा की हालत ठीक नही है। बताते हैं पूर्व विधायक दिल के मरीज थे यह बात पुलिस भी मानकर चल रही है। जबकि पूर्व विधायक के परिजन विधायक की पीट पीट कर हत्या किए जाने व पुलिस पर दबंगों से मिलीभगत होने का आरोप लगा रहे है। चर्चा है कि जिस जमीन का विवाद है उस जमीन को विधायक जी ने बहुत पहले पलिया निवासी ललुआ के नाम बेंच दिया था।ललुआ की मौत हो गयी तो वह जमीन ललुआ के बेटे राधेश्याम व किशन के नाम आ गयी। जमीन देखने में कम लग रही थी तो राधेश्याम ने पैमाईस कराई। जिसमे जमीन अधिक निकली। तो मुन्ना ने कहा जितनी जमीन हमने बेंची उतनी ही लो शेष छोड़ दो। इसी बात का विवाद दोनो पछ के बीच बीते काफी समय से चल रहा था। इसी बीच जमीन की कीमत बढ़ गयी। तो उस पर विधायक ने भी अपना कब्जा जमाने लगे।

पलिया सीओ पर पूर्व विधायक की पत्नी से मारपीट का आरोप

निघासन पूर्व विधायक की मौत के बाद सीओ प्रदीप कुकरेती पर निर्वेन्द्र मिश्रा की पत्नी से मारपीट करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि जमीन का विवाद सुलझाने गए पूर्व विधायक निर्वेन्द्र मिश्रा से दूसरे पक्ष के लोगों मारपीट की। इस दौरान सीओ प्रदीप कुकरेती भी मौजूद थे। दूसरे पक्ष के दो लोगों ने पूर्वविधायक से मारपीट की। गांव वालों ने बताया कि इसके बाद दोनों आरोपियों को दबोच लिया। गांव वालों का आरोप है कि दोनों आरोपियों को सीओ पलिया पूर्व विधायक के घर से छुड़ा ले गए। इतना ही नहीं सीओ ने पूर्व विधायक के घर पर मौजूद उनकी पत्नी से भी मारपीट की। पूर्व विधायक की मौत के बाद ग्रामीणें ने जमकर हंगामा किया और शव को उठने नहीं दिया है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पता चलेगा मौत का कारण

एसपी खीरी ने बताया कि निघासन से पूर्व विधायक निर्वेन्द्र उर्फ मुन्ना का कई सालों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इसी के चलते रविवार को समीर गुप्ता और राधेश्याम गुप्ता निवासी दरगाह मोहल्ला पलिया खीरी के बीच दोबारा विवाद हुआ था। बताते हैं कि बातचीत के दौरान दोनों में जमकर कहासुनी हुई।इसके बाद एक दूसरे को दोनों पक्षों में धक्का–मुक्की हुई। धक्का–मुक्की के दौरान निर्वेन्द्र मिश्रा गिर गए। इसके बाद उन्हें सीएचसी ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। एसपी ने बताया कि पूर्व विधायक के शरीर पर किसी तरह की कोई चोट नहीं पाई गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का पता चल पाएगा। निघासन पूर्व विधायक की लाश मिलने से परिवार वालों में कोहराम मचा है। परिवार वालों ने जब पूर्व विधायक की मारपीट कर हत्या का आरोप लगाया तो हड़कंप मच गया। ग्रामीणों में पूर्व विधायक की हत्या की खबर से आक्रोश है। दो बार निर्दलीय और एक बार सपा से निघासन सीट से चुनाव लड़ चुके हैं।

गर्भवती महिलाओं के साथ खिलवाड़

कृष्ण कुमार शुक्ला अद्भुत समाचार नेटवर्क

पलियाकलां–खीरी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्भवती महिलाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। पलिया सीएचसी मैं तैनात स्टाफ नर्स जो संविदा पर चार–पांच सालों से तैनात है उसका काम करने का तरीका बहुत ही गलत है इसी को लेकर आज सुबह एक युवक अपनी पत्नी को लेकर अस्पताल आया हुआ था अस्पताल में जैसे ही पहुंचा ही था की उसकी पत्नी को जोर–जोर से पीड़ा होने लगी जब महिला काफी परेशान हो गई तब उसका आदमी स्टाफ नर्स के पास गया तब उसने कहा कि मेरी महिला की तबीयत बहुत बिगड़ रही है इसको जरा देख ले मगर स्टाफ नर्स ने देखना उचित नहीं समझा और महिला तड़पती रही आखिरकार महिला का पति ६ घंटे बीत जाने के बाद महिला को लेकर अस्पताल से चला गया कुछ दिन पहले नवागत एसडीएम डॉक्टर अमरेश कुमार ने पलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया था इसके बावजूद भी सुधार नाम का कोई नाम नहीं है। जब स्टाफ नर्स से पूछा गया तब उसने बताया कि मैं लेबर रूम में महिला को देख रही थी।

कांग्रेस में एक और लेटर 'बम', के साथ पार्टी में होने वाले धमाके के लिए तैयार

लखनऊ। कांग्रेस एक और 'लेटर बम' के साथ पार्टी में होने वाले धमाके के लिए तैयार है, इस बार यह उत्तर प्रदेश (यूपी) से है। पिछले साल पार्टी से निष्कासित नौ वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को एक पत्र भेजा है, जिसमें कहा गया है कि वह पार्टी को महज 'इतिहास' का हिस्सा बनकर रह जाने से बचा लें। प्रियंका गांधी वाड्रा, जो कि यूपी की प्रभारी व पार्टी महासचिव हैं, उन्हें परोक्ष रूप से निशाने पर लेते हुए, चार पन्नों के पत्र में सोनिया गांधी से परिवार से ऊपर उठने का आग्रह किया गया है। पत्र में लिखा गया है, 'परिवार के मोह से ऊपर उठें' और पार्टी की लोकतांत्रिक परंपराओं को पुनर्स्थापित करें। पूर्व सांसद संतोष सिंह, पूर्व मंत्री सत्यदेव त्रिपाठी, पूर्व विधायक विनोद चौधरी, भूधर नारायण मिश्रा, नेकचंद पांडे, स्वयं प्रकाश गोस्वामी और संजीव सिंह के दस्तखत वाले पत्र में कहा गया

है कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। पत्र में कहा गया है, "इस बात की आशंका है कि आपको राज्य मामलों के प्रभारी द्वारा मौजूदा स्थिति से अवगत नहीं कराया जा रहा है। हम लगभग एक साल से आपसे मिलने के लिए अपइंटमेंट की मांग कर रहे हैं, लेकिन मना कर दिया जाता है। हमने अपने निष्कासन के खिलाफ अपील की थी जो अवैध था लेकिन केंद्रीय अनुशासन समिति को भी हमारी अपील पर विचार करने का समय नहीं मिला।" कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने आगे दावा किया कि पार्टी के पदों पर उन लोगों का कब्जा है जो वेतन के आधार पर काम कर रहे हैं और पार्टी के प्राथमिक सदस्य भी नहीं हैं। पत्र में कहा गया है, "ये नेता पार्टी की विचारधारा से परिचित नहीं हैं, लेकिन उन्हें यूपी में पार्टी को दिशा देने का काम सौंपा गया है।" इसमें आगे कहा गया है कि ये लोग उन नेताओं के प्रदर्शन का आकलन कर रहे हैं जो १९७७–८० के संकट के दौरान कांग्रेस के साथ चट्टान की तरह खड़े थे। लोकतांत्रिक मानदंडों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं और वरिष्ठ नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है, अपमानित किया जा रहा है और निकाला जा रहा है। वास्तव में, हमें मीडिया से हमारे निष्कासन के बारे में पता चला था, जो राज्य इकाई में नई कार्य संस्कृति की बात करता है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि नेताओं और पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच संवाद की कमी है। इन्होंने आगे कहा कि यूपी में एनएसयूआई और युवा कांग्रेस निष्क्रिय से हो गए हैं। नेताओं ने कांग्रेस आलाकमान से वरिष्ठ नेताओं के साथ संवाद को बढ़ावा देने का आग्रह किया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर यह मौजूदा मामलों की ओर आंख मूंद लेता है, तो कांग्रेस को यूपी में तगड़ा नुकसान होगा, जो कभी पार्टी का गढ़ हुआ करता था। यह पत्र ऐसे समय में आया है जब पार्टी उत्तर प्रदेश में पहले से ही गुटबाजी, मतभेदों का सामना कर रही है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

योगी ने कुशीनगर में निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का किया निरीक्षण

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंच कर निरीक्षण किया। उनके साथ केंद्रीय उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी और राज्य के उड्डयन मंत्री नंद गोपाल नंदी भी थे। केंद्रीय मंत्री राजकीय विमान से जबकि मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश के मंत्री नंदी अलग–अलग हेलीकॉप्टर से पहुंचे। मुख्यमंत्री के पहुंचने के पूर्व उड्डयन विभाग के सचिव व अन्य अधिकारियों ने पहुंचकर एयरपोर्ट के तैयारियों के बारे में जानकारी ली। इस बैठक व कार्यक्रम में लोगों तथा पत्रकारों को आने की अनुमति नहीं थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एयरपोर्ट का निरीक्षण करने के बाद जिला प्रशासन और एयरपोर्ट अथारिटी के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर निर्माण कार्यों के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट निर्माण में आने वाले एक–एक पहलुओं को बारीकी से समझने के बाद अधिकारियों को शीघ्र निर्माण पूरा करने का आदेश दिया। इस एयरपोर्ट से पहली उड़ान इस साल के अंत में श्रीलंका के कोलंबो के लिए जाएगी। अन्य बौद्ध धर्म मानने वाले देशों के लिए भी उड़ान के लिए अलग–अलग एयरलाइन्स कंपनियों से बात की जा रही है।

आईएएस सुशील कुमार मौर्य का कोरोना से निधन, पीजीआई में चल रहा था इलाज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक आईएएस अफिसर सुनील कुमार मौर्य की कोविड–१६ से मौत हो गई। वो ५३ साल के थे। मौर्य राज्य सरकार में विशेष सचिव के रूप में पदस्थ थे। सरकार ने उनको कोविड महामारी के खिलाफ लड़ाई में नोडल अफिसर के तौर पर सोनभद्र से बरेली भेजा था। मौर्य को संजय गांधी पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीट्यूट अफ मेडिकल साइंसेज में पिछले महीने भर्ती कराया गया था। कोविड–१६ से संक्रमित होने के बाद उनकी स्थिति धीरे–धीरे खराब होती गई। एक अधिकारी के मुताबिक, मौर्य को प्लाजमा थिरेपी भी दिया गया, लेकिन शरीर में अक्सीजन कम होती गई। इस बीच, भाजपा सांसद कौशल किशोर और शिक्षाविद् जगदीश गांधी फिर से कोरोनावायरस से संक्रमित पाए गए हैं। दोनों को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों कोरोना वायरस से उबरने के बाद फिर से संक्रमित पाए गए।

रिया चक्रवर्ती गिरफ्तारी के लिए तैयार हैं : वकील

मुंबई। अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के वकील सतीश मानेशिंदे ने आज बयान जारी कर कहा है कि रिया गिरफ्तारी के लिए तैयार हैं। सतीश मानसिन्दे ने अपने बयान में कहा, रिया चक्रवर्ती गिरफ्तारी के लिए तैयार हैं। अगर किसी से प्यार करना अपराध है तो उसे अपने प्यार का परिणाम भुगतना होगा। उन्होंने कहा, निर्दोष होने के बाद भी उन्होंने बिहार पुलिस द्वारा सीबीआई, ईडी और एनसीबी द्वारा दर्ज किए गए मामलों को लेकर किसी भी तरह की अग्रिम जमानत के लिए उन्होंने अदालत में अर्जी नहीं दी है। इस बीच रिया आज सुबह एनसीबी कार्यालय जाने के लिए घर से निकलीं। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले

की जांच में शामिल होने के लिए उन्हें नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने बुलाया था। पिछले दो दिनों में, एनसीबी ने अभिनेता के घर के पूर्व मैनेजर सैमुअल मिरांडा और दीपेश सावंत, रिया के छोटे भाई शोविक चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया है। सुशांत १४ जून को मुंबई में अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। उनके पिता के. के. सिंह ने बिहार पुलिस के साथ रिया, उनके पिता इंद्रजीत, मां संध्या, भाई शोविक, श्रुति मोदी, पूर्व मैनेजर सैमुअल मिरांडा, दोस्त सिद्धार्थ पिठानी और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। मामले की जांच सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और एनसीबी भी कर रहे हैं।

अभिनेता अर्जुन कपूर कोरोना पॉजिटिव

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने रविवार को खुलासा किया है वह कोरोनावायरस से पॉजिटिव पाए गए हैं। अभिनेता अभी 'होम क्वारंटीन' में हैं। अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, ये मेरी जिम्मेदारी है कि मैं आप सभी को सूचित

करूं कि मेरा कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। मैं अभी ठीक महसूस कर रहा हूं और मेरे शरीर में कोरोना के लक्षण नहीं दिख रहे हैं। मैंने डॉक्टरों और प्रशासन की सलाह पर खुद को आइसोलेट कर लिया है और मैं होम क्वारंटीन में रहूंगा। अर्जुन ने लिखा, मैं आप सभी का आपके सपोर्ट के लिए पहले ही शुक्रिया अदा करता हूं। मैं आप सभी को अपने सेहत की जानकारी देता रहूंगा। ऐसा वक्त पहले कभी नहीं आया था, असामान्य समय है। मुझे विश्वास है कि पूरी मानवता इस वायरस से लड़कर जंग जीतेगी। अभिनेता के संक्रमित होने की खबर सुनकर उनके प्रसंशकों और करीबियों ने उन्हें शीघ्र ठीक होने की कामना की।

कार्तिक-तापसी को लेकर फिल्म बनाएंगे शाहरूख!

मुंबई। बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान, कार्तिक आर्यन और तापसी पन्नू को लेकर फिल्म बना सकते हैं। शाहरुख खान ने फिल्म 'जीरो' के बाद से किसी फिल्म में काम नहीं किया है। हालांकि निर्माता के रूप में शाहरुख खान सक्रिय हैं। शाहरुख खान जल्दी ही एक और फिल्म का निर्माण करने जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में कार्तिक आर्यन लीड रोल निभाएंगे। फिल्म उन्हें ऑफर कर दी गई है और कार्तिक के हां कहने की देर है। बताया जा रहा है कि फिल्म में अभिनेत्री के रूप में तापसी पन्नू को लिया जाएगा। वह शाहरुख के बैनर के साथ वे 'बदला' फिल्म भी कर चुकी हैं जिसमें अमिताभ बच्चन उनके साथ थे। अजय बहल इस फिल्म को निर्देशित करेंगे। जल्दी ही इस फिल्म की घोषणा होने वाली है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक